Edition: Oct 2026



HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)



श्री विजयेंद्र कुमार, IAS

अध्यक्ष, हमेटी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा
सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है। इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी आवश्यक सूचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी। यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा। मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।



श्री अमित खत्री IAS

Vice Chairman, HAMETI-cum
Director, Agriculture and Farmers' Welfare department, Haryana

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ।



सुरेंद्र सिंह यादव

निदेशक, हमेटी

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है। 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा।

संपादक की कलम से...



किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बग़ैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नहीं है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दे। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।

" जल है तो जीवन है "

"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

हमेटी, जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 29 सितंबर से 1अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक समापन सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, विभिन्न पद्धतियों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं व्यवहारिक पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों,खेती की लागत में कमी तथा पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान, अनुभव एवं सीख को साझा किया। साथ ही प्राकृतिक खेती की तकनीकों को खेत स्तर पर अपनाने तथा अन्य किसानों तक उपयोगी जानकारी पहुंचाने के महत्व पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन स्वस्थ मृदा, सुरक्षित खाद्य उत्पादन, कृषि लागत में कमी और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ। इस प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ कृषि को अधिक टिकाऊ एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।







हमेटी, जींद में डीएईएसआई प्रशिक्षण के अंतर्गत तीसरी प्रश्नोत्तरी परीक्षा आयोजित

हमेटी, जींद में संचालित डीएईएसआई प्रशिक्षण कार्यक्रम टीपी-3414 के अंतर्गत 4 अक्टूबर 2026 को तीसरी प्रश्नोत्तरी परीक्षा आयोजित की गई। प्रशिक्षण बैच में कुल 40 प्रतिभागी पंजीत हैं, जिनमें से 39 प्रतिभागियों ने परीक्षा में भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा अर्जित कृषि संबंधी ज्ञान एवं विभिन्न विषयों की समझ का आकलन करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रश्नोत्तरी परीक्षा के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को अब तक प्रशिक्षण में शामिल विभिन्न विषयों पर अपने ज्ञान एवं तकनीकी समझ का मूल्यांकन करने का अवसर मिला। इस प्रकार के नियमित मूल्यांकन से प्रतिभागियों की सीखने की प्रगति को समझने और विषयों की जानकारी को और मजबूत करने में सहायता मिलती है। डीएईएसआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों के कृषि संबंधी तकनीकी ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करना है, ताकि वे किसानों तक वैज्ञानिक, उपयोगी एवं विश्वसनीय कृषि जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें।





हमेटी, जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करते हुए उनके ज्ञान एवं व्यवहारिक समझ को बढ़ाना है। प्रशिक्षण के प्रथम दिन डॉ. धीरज पंघाल ने "स्वास्थ्य प्रबंधन" तथा डॉ. विनोद कुमार ने "प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत" विषय पर किसानों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रथम सत्र में डॉ. धीरज पंघाल ने किसानों को अच्छे स्वास्थ्य के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए खेती के साथ-साथ स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। तकनीकी सत्र में डॉ. विनोद कुमार ने किसानों को प्राकृतिक खेती की मूल अवधारणाओं एवं सिद्धांतों से अवगत कराया। उन्होंने खेती में स्थानीय रूप से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने, बाहरी कृषि आदानों पर निर्भरता कम करने तथा पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी उपयोगी एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे कम लागत, स्वस्थ मृदा और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ सकें।





पलवल में उर्वरक विक्रेताओं के लिए 15 दिवसीय आईएनएम प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की निगरानी

पलवल में उर्वरक विक्रेताओं के लिए 2 से 16 अक्टूबर 2026 तक संचालित एकीत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) के 15 दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की निगरानी की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव, एचएएस-I के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य उर्वरक विक्रेताओं को मृदा स्वास्थ्य, पौध पोषण, उर्वरकों के संतुलित एवं उचित उपयोग तथा एकीत पोषक तत्व प्रबंधन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों के पोषक तत्व प्रबंधन एवं उर्वरक उपयोग संबंधी तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि वे किसानों को फसलों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों के संतुलित उपयोग और बेहतर मृदा स्वास्थ्य के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान कर सकें।



हमेटी, जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन एवं प्रमाणपत्र वितरण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 6 से 8 अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक कीट एवं रोग नियंत्रण, पोषक तत्व प्रबंधन, जल संरक्षण, बीज उपचार तथा प्राकृतिक कृषि घोल तैयार करने की व्यावहारिक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने कम लागत, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पर्यावरण अनुकूल खेती अपनाने के उपाय बताए। समापन समारोह में किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखाई। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले किसानों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। अंत में सभी किसानों, विशेषज्ञों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम किसानों को कम लागत, स्वस्थ मिट्टी एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास रहा।









हमेटी, जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 13 से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्रीविजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन तथा हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव के निर्देशन में प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विनोद कुमार द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक कृषि आदानों की तैयारी, जैविक कीट एवं रोग नियंत्रण, बीज उपचार, पोषक तत्व प्रबंधन तथा लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका के बारे में तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने किसानों को स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसानों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद कर अपनी समस्याओं एवं अनुभवों को साझा किया। समापन समारोह में किसानों को प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में अपनाने तथा अन्य किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम स्वस्थ मिट्टी, कम लागत एवं टिकाऊ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।









हमेटी, जींद में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह, 90 महिलाओं को किया सम्मानित

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर 15 अक्टूबर 2026 को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 50 महिला किसानों एवं 40 महिला कृषि अधिकारियों सहित कुल 90 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विकास, खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व क्षमता एवं कृषि क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। यह आयोजन नारी शक्ति के सम्मान और महिला किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।









हमेटी, जींद में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के 15 दिवसीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), प्रशिक्षण बैच संख्या 873 के अंतर्गत 16अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर डॉ. दानवीर सिंह, पीएचडी शोधार्थी, सस्य विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने पौधों के प्राथमिक एवं द्वितीयक पोषक तत्वों की भूमिका, कार्य तथा उनकी कमी के लक्षणों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

उन्होंने नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम एवं सल्फर के महत्व के साथ पोषक तत्वों की कमी की पहचान, मृदा स्वास्थ्य तथा संतुलित पोषण प्रबंधन की जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ कर बेहतर फसल उत्पादन, संतुलित पोषण एवं स्वस्थ मृदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा।







हमेटी, जींद में तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 13 से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक कीट नियंत्रण, बीज उपचार एवं कम लागत वाली टिकाऊ खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने स्थानीय संसाधनों के उपयोग और पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाने पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव के निर्देशन में प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विनोद कुमार द्वारा, हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया। प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदम, स्वस्थ मिट्टी और समृद्ध किसान का संकल्प!







हमेटी, जींद में उर्वरक प्रबंधन एवं पर्णीय छिड़काव पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में संचालित 15 दिवसीय एकीत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 17 अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ.सुरेंद्र सिंह, पीएचडी शोधार्थी, सस्य विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने प्रशिक्षणार्थियों को उर्वरक प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख फसलों के लिए पोषक तत्वों की प्रतिशत मात्रा एवं अनुशंसित खुराक के आधार पर उर्वरकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों की सही मात्रा की गणना के बारे में बताया गया। साथ ही पर्णीय छिड़काव के लिए उर्वरक घोल तैयार करने की विधि एवं उचित सांद्रता की जानकारी दी गई, ताकि फसलों में संतुलित पोषण सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना तथा किसानों तक वैज्ञानिक एवं संतुलित उर्वरक उपयोग की जानकारी पहुंचाना है। संतुलित पोषण, स्वस्थ फसल और बेहतर उत्पादन!



डीएईएसआई प्रशिक्षण, नूंह में सरसों, चना, जौ एवं गेहूं की उन्नत उत्पादन तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

डीएईएसआई डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम, नूंह के बैच संख्या टीपी-3460 के अंतर्गत 18 अक्टूबर 2026 को प्रातःकालीन एवं सायंकालीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर डॉ.राजबीर यादव, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर आईएआरआई), नई दिल्ली ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती एवं उन्नत उत्पादन तकनीकों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया। प्रातःकालीन सत्रः सरसों, चना एवं जौ की उन्नत खेती डॉ. राजबीर यादव ने प्रशिक्षणार्थियों को सरसों, चना एवं जौ की उन्नत उत्पादन तकनीकों, उपयुक्त किस्मों के चयन, बुवाई की विधियों, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा फसल की उचित देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी।

सायंकालीन सत्र में गेहूं की उन्नत उत्पादन तकनीकों पर विशेष व्याख्यान दिया गया। इसमें बीज चयन, बुवाई का उचित समय, सिंचाई प्रबंधन, उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती, बेहतर फसल प्रबंधन एवं उन्नत कृषि तकनीकों से परिचित कराना रहा, ताकि वे किसानों को फसल उत्पादन से संबंधित उपयोगी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान कर सकें। वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन और समृद्ध खेती की ओर एक महत्वपूर्ण कदम!







हमेटी, जींद के प्रशिक्षणार्थियों का मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, सफीदों में शैक्षणिक भ्रमण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 19 अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षणार्थियों ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, जींद की मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, सफीदों का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर डॉ. संतलाल मलिक, मृदा परीक्षण अधिकारी, सफीदों ने प्रशिक्षणार्थियों को मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. संतलाल मलिक ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगशाला में उपलब्ध विभिन्न मृदा परीक्षण उपकरणों, सुविधाओं एवं परीक्षण प्रक्रियाओं से परिचित कराया। प्रशिक्षणार्थियों को मृदा परीक्षण के परिणामों के आधार पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने तथा फसलों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी गई। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाना तथा किसानों को मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाना रहा। स्वस्थ मिट्टी, संतुलित पोषण और बेहतर फसल उत्पादन!



हमेटी, जींद में मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक विधियों पर प्रशिक्षण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 19 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री सुमित देशवाल, प्रयोगशाला पर्यवेक्षक, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, सफीदों ने प्रशिक्षणार्थियों को मिट्टी की जांच से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान मिट्टी के पीएच मान, विद्युत चालकता (ईसी) तथा विभिन्न पादप पोषक तत्वों की जांच की विधियों एवं प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही मृदा परीक्षण के परिणामों के आधार पर मिट्टी की गुणवत्ता, पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों के व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना है, ताकि वे किसानों को मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।



हमेटी, जींद में जैव उर्वरकों के प्रयोग की विधियों एवं सावधानियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 21 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. धीरज पंघाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान), कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने जैव उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न जैव उर्वरकों के प्रयोग की विधियों, उचित मात्रा एवं फसलों में उनके प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. पंघाल ने जैव उर्वरकों के प्रयोग के समय बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों,क्या करें और क्या न करें तथा लाभकारी सूक्ष्मजीवों की प्रभावशीलता बनाए रखने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को जैव उर्वरकों के सही उपयोग एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी देना रहा, ताकि वे किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।
जैव उर्वरकों का सही उपयोग, स्वस्थ मिट्टी और टिकाऊ खेती का आधार!





हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 21 अक्टूबर 2026 को प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रारंभिक सत्र में प्रशिक्षण संयोजक डॉ. विनोद कुमार ने प्राकृतिक खेती की अवधारणा, भूमि की उर्वरता बनाए रखने तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को प्रकृति के अनुकूल टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सायंकालीन सत्र में डॉ. आर. के. मलिक, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर जानकारी दी। उन्होंने मिट्टी में जैविक पदार्थों, लाभकारी सूक्ष्मजीवों तथा भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता बनाए रखने के वैज्ञानिक उपायों को समझाया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्वस्थ मिट्टी एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती के प्रति जागरूक करना है। प्राकृतिक खेती अपनाएं, मिट्टी बचाएं और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दें!





हमेटी में महिला किसानों को लाभकारी एवं हानिकारक कीटों की पहचान पर विशेषज्ञ प्रशिक्षण

22 अक्टूबर 2026 को अनुसूचित जाति वर्ग की महिला किसानों के लिए आयोजित कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग एवं छिड़काव तकनीकों पर पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. रोशन लाल, प्रख्यात वैज्ञानिक एवं कीट विशेषज्ञ, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने किसानों को लाभकारी एवं हानिकारक कीटों की पहचान और उनके महत्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. रोशन लाल ने महिला किसानों को फसलों में पाए जाने वाले लाभकारी एवं हानिकारक कीटों के बीच अंतर तथा फसल संरक्षण में लाभकारी कीटों की भूमिका के बारे में समझाया। प्रशिक्षण में कीटों की सही पहचान, अनावश्यक कीटनाशक छिड़काव से बचाव तथा पर्यावरण-अनुकूल कीट प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला किसानों को सुरक्षित कृषि तकनीकों एवं प्रभावी फसल संरक्षण के प्रति जागरूक और सक्षम बनाना है। सही कीट पहचान, सुरक्षित छिड़काव और स्वस्थ फसल की ओर महत्वपूर्ण कदम!



हमेटी, जींद में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मित्तल, फार्म मैनेजर, कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. मित्तल ने किसानों तक उन्नत कृषि तकनीकें पहुंचाने, प्रशिक्षण, कृषि परामर्श एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने में कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान केंचुआ खाद तैयार करने की विधि, जैविक अवशेषों के उपयोग तथा मृदा की उर्वरता बढ़ाने में वर्मी कम्पोस्ट की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को जैविक खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा। स्वस्थ मिट्टी, जैविक पोषण और टिकाऊ खेती की ओर सार्थक प्रयास!



हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने सीखी मृदा नमूना संग्रहण तकनीक एवं स्वचालित मौसम केंद्र की कार्यप्रणाली

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षणार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्हें मृदा परीक्षण हेतु नमूने एकत्र करने तथा स्वचालित मौसम केंद्र की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों ने मिट्टी के नमूने एकत्र करने की सही विधियों एवं आवश्यक सावधानियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया, जिससे मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। प्रतिभागियों को स्वचालित मौसम केंद्र (Automatic Weather Station) की कार्यप्रणाली तथा तापमान, वर्षा, आर्द्रता एवं अन्य मौसम संबंधी आंकड़ों की कृषि में उपयोगिता से परिचित कराया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों के व्यावहारिक कौशल एवं तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना है, ताकि वे किसानों को मृदा परीक्षण और मौसम आधारित कृषि प्रबंधन में बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।





हमेटी, जींद में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पाठ्यक्रम की मध्यावधि परीक्षा आयोजित

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षणार्थियों की मध्यावधि परीक्षा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

इस परीक्षा का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अब तक प्राप्त एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग से संबंधित ज्ञान का मूल्यांकन करना रहा। यह मूल्यांकन प्रशिक्षणार्थियों की तकनीकी समझ एवं व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, ताकि वे किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।





हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 21 से 23 अक्टूबर 2026 तक आयोजित प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव के निर्देशन में किया गया तथा डॉ. विनोद कुमार प्रशिक्षण संयोजक रहे। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

किसानों को जीवामृत, बीजामृत, आच्छादन (मल्चिंग), वाफसा, मृदा स्वास्थ्य, जैव विविधता तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के उपायों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. विनोद कुमार ने किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के उचित उपयोग और खेती की लागत कम करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव ने पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने अपने अनुभव एवं विचार साझा किए तथा प्राकृतिक खेती की तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने और अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक करने के संदेश के साथ हुआ।









हमेटी, जींद के प्रशिक्षणार्थियों का जैव उर्वरक प्रयोगशाला, हिसार के लिए शैक्षणिक भ्रमण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय आवासीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के अंतर्गत 23 अक्टूबर 2026 को प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण को हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया प्रशिक्षणार्थियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की जैव उर्वरक प्रयोगशाला का भ्रमण किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को जैव उर्वरकों की उत्पादन प्रक्रिया, उनके वैज्ञानिक उपयोग एवं कृषि में महत्व की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। प्रशिक्षणार्थियों को जैव उर्वरकों के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य सुधारने, पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के महत्व से परिचित कराया गया। इस भ्रमण से प्राप्त तकनीकी ज्ञान किसानों को जैव उर्वरकों के उचित उपयोग के बारे में मार्गदर्शन देने में सहायक होगा।



हमेटी, जींद में 'खेत बचाओ, मिट्टी बचाओ' अभियान पर किसानों को किया जागरूक

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 21 से 23 अक्टूबर 2026 तक आयोजित प्राकृतिक खेती के तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव ने प्रशिक्षणार्थियों को 'खेत बचाओ, मिट्टी बचाओ' अभियान के महत्व पर संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. सुरेंद्र यादव ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य सुधारने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा प्राकृतिक खेती की तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध खेती का आधार है। आइए, 'खेत बचाओ, मिट्टी बचाओ' अभियान को आगे बढ़ाएं!



हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों को जैव उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण

23 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद के प्रशिक्षणार्थियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के जैव उर्वरक उत्पादन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. अनुज राणा, सहायक वैज्ञानिक एवं प्रभारी, जैव उर्वरक उत्पादन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न जैव उर्वरकों की उचित मात्रा एवं प्रयोग की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में
किया गया।

डॉ. अनुज राणा ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न जैव उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा, प्रयोग की विधियों तथा उपयोग के दौरान आवश्यक सावधानियों के बारे में समझाया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को जैव उर्वरकों के प्रभावी उपयोग, मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी प्रदान करना रहा, ताकि वे किसानों को बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन दे सकें। जैव उर्वरकों का सही उपयोग, स्वस्थ मिट्टी और टिकाऊ खेती का आधार!





हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने सीखी जैव उर्वरकों के उत्पादन, पैकेजिंग एवं भंडारण की तकनीकें

23 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम(सीसीआईएनएम) के प्रशिक्षणार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के सायंकालीन सत्र में जैव उर्वरकों के उत्पादन एवं प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री सतीश कुमार, निदेशक, एचजीआईपीपीसीएल बायो-फर्टिलाइजर ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न प्रकार के जैव उर्वरकों की उत्पादन प्रक्रिया एवं पैकेजिंग तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

श्री सतीश कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को जैव उर्वरकों की उत्पादन प्रक्रिया, बोतलबंदी, लेबलिंग एवं सुरक्षित भंडारण की विभिन्न विधियों से परिचित कराया। प्रशिक्षण के दौरान जैव उर्वरकों की गुणवत्ता बनाए रखने, उचित पैकेजिंग तथा भंडारण के दौरान आवश्यक सावधानियों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रतिभागियों के तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाना है, ताकि वे किसानों को गुणवत्तापूर्ण जैव उर्वरकों के सही उपयोग के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।





हमेटी, जींद में जैविक खाद के स्रोतों एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के अंतर्गत 24 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र सिंह, पीएचडी शोधार्थी, सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने जैविक खाद एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान गोबर की खाद, हरी खाद, वर्मी कम्पोस्ट एवं फसल अवशेषों जैसे जैविक खाद के प्रमुख स्रोतों और उनकी कृषि में उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने, मृदा संरचना सुधारने, पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने में जैविक खाद के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को जैविक खाद के वैज्ञानिक उपयोग एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा, ताकि वे किसानों को बेहतर कृषि मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।





हमेटी की 35 महिला किसानों का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में शैक्षणिक भ्रमण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में अनुसूचित जाति वर्ग की महिला किसानों के लिए संचालित कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग एवं छिड़काव तकनीकों पर पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 23 अक्टूबर 2026 को 35 महिला किसानों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार का शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य महिला किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों, सुरक्षित कीटनाशक उपयोग एवं आधुनिक छिड़काव पद्धतियों से परिचित कराना रहा। इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण महिला किसानों के तकनीकी ज्ञान, जागरूकता एवं कृषि संबंधी निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुरक्षित खेती, जागरूक महिला किसान और बेहतर फसल प्रबंधन की दिशा में सार्थक पहल!







हमेटी, जींद में सटीक कृषि की अवधारणा एवं आधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी),जींद में संचालित डीएईएसआई डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम, बैच टीपी-3414 के अंतर्गत 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र, पीएचडी शोधार्थी (सस्य विज्ञान), चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने 'सटीक कृषि की अवधारणा एवं तकनीकें' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कुल 40 प्रशिक्षणार्थियों में से 36 उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान सटीक कृषि (Precision Agriculture) की अवधारणा तथा जल, उर्वरक एवं अन्य कृषि संसाधनों के आवश्यकता अनुसार वैज्ञानिक उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. सुरेंद्र ने आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से उत्पादन लागत कम करने, संसाधनों की बचत तथा फसल उत्पादकता बढ़ाने की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक एवं तकनीक आधारित खेती के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे किसानों को बेहतर कृषि मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।



डीएईएसआई प्रशिक्षण, नूंह में पोषक तत्वों की कमी, कीट एवं रोगों के लक्षणों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

डीएईएसआई डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम, नूंह के बैच संख्या टीपी-3460 के अंतर्गत 26 अक्टूबर 2026 को प्रातःकालीन एवं सायंकालीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। प्रातःकालीन सत्र में डॉ. आनंद कुमार त्यागी, सेवानिवृत्त विषय विशेषज्ञ (पादप संरक्षण) तथा सायंकालीन सत्र में डॉ. भरत सिंह, कीट वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ (पादप संरक्षण), कृषि विज्ञान केंद्र, शिकोहपुर, गुरुग्राम ने प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. आनंद कुमार त्यागी ने फसलों में पोषक तत्वों की कमी से उत्पन्न लक्षणों और रोगों के कारण दिखाई देने वाले लक्षणों के बीच अंतर समझाया तथा सही पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. भरत सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को फसलों में कीटों एवं रोगों के प्रमुख लक्षणों, उनकी पहचान तथा उचित फसल संरक्षण के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना है, ताकि वे किसानों को फसल समस्याओं की सही पहचान एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।





हमेटी, जींद में कृषि क्षेत्र में नैनो तकनीक के उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी),जींद में संचालित डीएईएसआई डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम, बैच टीपी-3414 के अंतर्गत 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र, पीएचडी शोधार्थी, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने कृषि में नैनो तकनीक की अवधारणा एवं तकनीकें' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कुल 40 प्रशिक्षणार्थियों में से 34 उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान नैनो तकनीक की मूल अवधारणा, कृषि में इसके संभावित उपयोग तथा नैनो उर्वरकों की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. सुरेंद्र ने पोषक तत्वों के कुशल उपयोग, संसाधनों की बचत तथा फसल उत्पादन में नैनो तकनीक की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीन कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करना रहा, ताकि वे किसानों को बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर सकें। आधुनिक तकनीक, बेहतर संसाधन प्रबंधन और उन्नत खेती की ओर महत्वपूर्ण कदम!





हमेटी, जींद में मृदा सुधार एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (CCINM), बैच TP-873 के अंतर्गत 25 अक्टूबर 2026 को प्रातःकालीन एवं सायंकालीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर डॉ. आर. एस. मलिक, पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने मृदा सुधार एवं उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रातःकालीन सत्र में डॉ. मलिक ने अम्लीय, लवणीय एवं सोडिक (क्षारीय) मिट्टी की समस्याओं, मृदा विषाक्तता तथा पौधों द्वारा पोषक तत्वों के अवशोषण पर इनके प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही चूना एवं जिप्सम जैसे मृदा सुधारकों के उपयोग तथा भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता बढ़ाने की वैज्ञानिक तकनीकों पर प्रकाश डाला। सायंकालीन सत्र में उर्वरकों के असंतुलित एवं अत्यधिक उपयोग से मृदा स्वास्थ्य, जल गुणवत्ता और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त मिट्टी के कटाव, पोषक तत्वों के बहाव एवं उर्वरकों की हानि को रोकने के उपायों तथा संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को मृदा समस्याओं की पहचान, वैज्ञानिक सुधार, पर्यावरण संरक्षण एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा, ताकि वे किसानों को बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन देकर टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि को बढ़ावा दे सकें।



हमेटी, जींद में 40 किसानों एवं खेतिहर श्रमिकों के लिए सुरक्षित कीटनाशक छिड़काव पर प्रशिक्षण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के अंतर्गत 21 से 25 नवंबर 2026 तक अनुसूचित जाति वर्ग के 40 किसानों एवं खेतिहर श्रमिकों के लिए पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का मुख्य विषय कीटनाशकों का सुरक्षित उपयोग एवं वैज्ञानिक छिड़काव तकनीकें रहेगा। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

प्रतिभागियों को कीटनाशकों के उचित उपयोग, छिड़काव की वैज्ञानिक विधियों, सुरक्षा उपकरणों एवं आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों एवं श्रमिकों को कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा प्रभावी फसल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। सुरक्षित किसान, वैज्ञानिक खेती और बेहतर फसल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल!



हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने जानी समस्याग्रस्त मिट्टी के सुधार की आधुनिक तकनीकें

27 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के प्रशिक्षणार्थियों ने आईसीएआर केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), करनाल के संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर डॉ. अमरेश चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मृदा एवं फसल प्रबंधन प्रभाग ने प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान द्वारा विकसित समस्याग्रस्त मिट्टी के सुधार की तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. अमरेश चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को लवणीय एवं क्षारीय मिट्टी के सुधार, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा भूमि की उत्पादकता बढ़ाने से संबंधित तकनीकों से परिचित कराया। संग्रहालय भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने संस्थान द्वारा विकसित मृदा सुधार तकनीकों एवं कृषि अनुसंधान उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों के तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ को बढ़ाना रहा, ताकि वे किसानों को समस्याग्रस्त भूमि के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए बेहतर मार्गदर्शन दे सकें।





हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने सीखी मृदा एवं जल परीक्षण की वैज्ञानिक तकनीकें

27 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के प्रशिक्षणार्थियों ने आईसीएआर केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), करनाल की केंद्रीय मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार, वरिष्ठ तकनीशियन ने मृदा एवं जल परीक्षण की विधियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

श्री प्रदीप कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को मिट्टी एवं पानी के नमूनों की जांच की प्रक्रियाओं और परीक्षण तकनीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान मृदा परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरकों, चूने एवं जिप्सम की आवश्यक मात्रा निर्धारित करने की वैज्ञानिक विधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना तथा किसानों को मृदा परीक्षण आधारित संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन एवं भूमि सुधार के लिए बेहतर मार्गदर्शन देने में सक्षम बनाना रहा।



हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने सीएसएसआरआई, करनाल में देखीं लवणीय भूमि सुधार की आधुनिक तकनीकें

27 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के प्रशिक्षणार्थियों ने आईसीएआर केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), करनाल के अनुसंधान एवं प्रायोगिक क्षेत्रों का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान डॉ. अमरेश चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मृदा एवं फसल प्रबंधन प्रभाग ने प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक भूमि सुधार तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों ने लवणीय मिट्टी में उगाई जाने वाली विभिन्न लवण-सहिष्णु फसल किस्मों के प्रदर्शन एवं उनकी उपयोगिता की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान जिप्सम के प्रयोग हेतु आधुनिक कृषि मशीनरी तथा जलभराव वाली लवणीय भूमि से लवण निकालने के लिए भूमिगत जल निकासी प्रणाली के प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। प्रतिभागियों ने खेत की वास्तविक परिस्थितियों में लवण-सहिष्णु वृक्ष प्रजातियों एवं फलदार पौधों के प्रदर्शन को भी देखा। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को समस्याग्रस्त भूमि के वैज्ञानिक सुधार एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना रहा।







हमेटी, जींद में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन एवं फसल चक्र पर विशेषज्ञ व्याख्यान

28 अक्टूबर 2026 को हमेटी, जींद में उर्वरक विक्रेताओं के लिए संचालित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम), बैच टीपी-873 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. धीरज पंघाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान), कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, फसल चक्र एवं उर्वरकों के उचित प्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. पंघाल ने जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा मृदा की उर्वरता बनाए रखने में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को समझाया। प्रशिक्षणार्थियों को फसल चक्र अपनाने, विभिन्न उर्वरकों के सही स्थान पर प्रयोग तथा पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य उर्वरक विक्रेताओं को संतुलित पोषण एवं वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे किसानों को बेहतर कृषि परामर्श दे सकें।





हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विनोद कुमार, नेशनल फैसिलिटेटर, जींद ने किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. विनोद कुमार ने किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, स्थानीय संसाधनों के उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने खेती की लागत घटाने और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर. एस. मलिक ने मृदा की उर्वरता, लाभकारी सूक्ष्मजीवों, जैविक गतिविधियों तथा मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने की तकनीकों पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना रहा।









हमेटी के प्रशिक्षणार्थियों ने किया एस एंड एस ऑर्गेनिक फार्म, अहिरका का शैक्षणिक भ्रमण

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में संचालित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के प्रशिक्षणार्थियों ने एस एंड एस ऑर्गेनिक फार्म, अहिरका का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर डॉ. सुखदेव कम्बोज, उप कृषि निदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, जींद ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. सुखदेव कम्बोज ने प्राकृतिक खेती के महत्व, स्थानीय संसाधनों के उपयोग तथा रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना तथा किसानों को पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।



हमेटी, जींद में 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में 15 से 30 अक्टूबर 2026 तक उर्वरक विक्रेताओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीआईएनएम) के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों का सामूहिक छायाचित्र लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य उर्वरक विक्रेताओं को मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग, पोषक तत्व प्रबंधन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का ज्ञान प्रदान करना रहा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को किसानों तक वैज्ञानिक कृषि जानकारी एवं उचित उर्वरक प्रबंधन संबंधी मार्गदर्शन पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह सामूहिक छायाचित्र प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान, अनुभव और सीखने की यात्रा की यादगार झलक है।



Media Coversage

अमर उजाला

Narnaul
16-10-2026

महिला किसान बनारसी देवी और रेणु कृषि में योगदान के लिए हुईं सम्मानित

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल। प्रदेश सरकार ने कृषि में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के तहत वीरवार को जींद जिले के गांव हमेठी में अंतरराष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया।

इसमें जिले से कृषि विभाग की महिला नोडल अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारी सोनिया के नेतृत्व में प्रगतिशील महिला किसानों ने भाग लिया।

जिले की ओर से गांव बवानिया की प्रगतिशील महिला किसान बनारसी देवी और रेणु कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यक्रम में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, कृषि विभाग की योजनाओं के तहत प्राकृतिक खेती को अधिक से अधिक अपनाने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर डॉ. सुभाष ने बताया कि प्राकृतिक खेती गाय आधारित खेती है। इसमें गाय के गोबर और गोमूत्र से जीवामृत व घनजीवामृत तैयार किए जाते हैं, जिससे मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने से किसानों की लागत घटती है और भूमि की सेहत में सुधार होता है। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से गाय खरीदने के लिए किसानों को अनुदान दिया जा रहा है। किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला नोडल अधिकारियों और प्रगतिशील महिला किसानों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने के बाद बनारसी देवी ने कहा कि जिले की महिला किसान समूह बनाकर बाजरे सहित अन्य प्रमुख फसलों से विभिन्न उत्पाद तैयार कर सकती हैं।

इन उत्पादों को बाजार में बेचकर वे अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ सकती हैं।



राज्यस्तरीय कार्यक्रम में किसानों को सम्मानित करते अधिकारी। स्रोत: विभाग

महिला किसान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ

नारनौल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व महेंद्रगढ़ किसान क्लब के तत्वावधान में वीरवार को राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर डीडीए कार्यालय के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले की महिला किसानों के साथ बैठक कर कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। संवाद

महिला किसानों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ किया संवाद

महेंद्रगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से वीरवार को गांव देवास में महिला किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेश कुमार यादव ने महिला किसानों को संबोधित करते हुए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में गांव की लगभग 70 महिलाओं ने भाग लिया तथा कृषि विज्ञान केंद्र की टीम के साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अपनी कृषि संबंधी समस्याओं, अनुभवों एवं आवश्यकताओं को साझा किया। कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। संवाद



कार्यक्रम में संबोधित करते अतिथि। स्रोत: केवीके

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
AGRICULTURE AND
FARMERS WELFARE

सत्यमेव जयते

MANAGE
मैनेज

HELPLINE NUMBER
(NATION WIDE)

Information related to

NATURAL FARMING

Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis*

HELP LINE

DIAL - 1800-599-1557

Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M
(Monday to Friday) All working days

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp



Follow us on

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

Near Ch. Rabir Singh unioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana

hametijind@gmail.com

01681-256453